शिखर 3

इकाई 1: हमारा पर्यावरण

पाठ 1. ठीक समय पर

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को समय का महत्त्व बताना है। इसके माध्यम से बच्चों को अपने सभी काम समय से करने, दिनचर्या नियमित करने तथा अनुशासित जीवन जीने की शिक्षा दी गई है। समय के नियम का पालन करते हुए अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने से ही जीवन में सफलता की प्राप्ति होती है।

कविता का सारांश

सूरज एक नियम से रोज़ सवेरे अपने ठीक समय पर निकलता है। इसी प्रकार चंद्रमा भी एक नियम से घटता-बढ़ता है। एक नियम से ही तारे सुबह होते-होते धुँधले पड़ जाते हैं और फिर शाम को जगमगाते हैं। इसी प्रकार एक नियम से नदी-नाले बहते हुए सागर में मिल जाते हैं। इसलिए कवि बच्चों से कह रहे हैं कि तुम भी अपने सारे काम नियम से रोज़ समय पर करो। ठीक समय पर सोकर उठो, नहा-धोकर बैठो और खाना खाओ। ठीक समय पर पढ़ने के लिए स्कूल जाओ और फिर ठीक समय पर खेलने भी जाओ। इसी प्रकार अगर समय के नियमों का पालन करोगे तो तुम जीवन में सब कुछ कर सकते हो और जो चाहो वह पा सकते हो।

अध्यापन संकेत

कविता वाचन से पूर्व **पहले पहल** में पूछे गए प्रश्नों पर बच्चों से चर्चा करें। उनसे प्रकृति में विद्यमान सूरज, चाँद, तारे, नदियाँ आदि सभी से संबंधित प्रश्न पूछें। जैसे– सूरज कब निकलता है? सूरज किस दिशा में निकलता है? चंद्रमा घटता-बढ़ता क्यों है? नदियाँ बहकर किसमें मिल जाती हैं? हमें इनसे क्या सीख मिलती है? कविता का आदर्श वाचन करें तथा बच्चों से भी करवाएँ।

बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए–

- क्या वे रोज़ एक ही समय पर उठते हैं?
- वे कितने बजे उठते हैं?
- क्या वे समय पर स्कूल जाते हैं?
- क्या वे रोज़ समय पर खेलते हैं?
- बच्चों को कविता में निहित मूल्य समझाएँ।
- उन्हें बताएँ कि हमें सभी काम समय पर करने चाहिए।
- उन्हें अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित करें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।